इन्द्रप्रस्थ विश्व संवाद केन्द्र दिल्ली

8बी /6428–29 प्रथम तल, आर्यसमाज रोड, देवनगर नई दिल्ली–110005,
दूरभाष : 011–25862042, फैक्स : 011–25822649, ईमेल– ivskdelhi@gmail.com

प्रेस वार्ता

अखिल भारतीय कार्यकारिणी मंडल बैठक, गोरखपुर 16/10/2011

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री सुरेश (भय्याजी) जोशी ने आज संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी मण्डल की बैठक के तीसरे दिन दोपहर के सत्र के बाद पत्रकारों से वार्ता की । सर्वप्रथम उन्होंने तीन दिन चली बैठक में की गई चर्चाओं का पूर्ण वृत मीडिया के सम्मुख रखा । उन्होंने कहा हमारी परंपरा रही है कि विचार विमर्श द्वारा ही सब कार्य चलें । स्वामी विवेकानन्द जी की आगामी १५०वीं जन्म शताब्दी समारोह के आयोजनों को सारे देश में आयोजित किए जाने के बारे में श्री भय्याजी जोशी ने बताया कि इसमें संघ का पूर्ण सहयोग रहेगा । स्वामी विवेकानन्द जी की १५०वीं जयंती २०१३ में आने वाली है । बैठक में इसकी विस्तृत चर्चा हुई जिसमें किस प्रकार समाज के बुद्धिजीवी, माताएं-बहने एवं समाज के अन्य लोगों तक विवेकानन्द जी का विचार पहुंचे इस पर चर्चा हुई । साम्प्रदायिक हिंसा विधेयक जो एन.ए.सी. पेश करने जा रही है इस बारे में भी विस्तृत चर्चा हुई। यह बिल समाज की एकता एवं अखण्डता को तोड़ने वाला होगा। बहुसंख्यक तथा अल्पसंख्यक की दूरी बढ़ाएगा एवं देश की एकात्मता को खतरा होगा । समाज में इससे अविश्वास आएगा । हिन्दू समाज में भी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति में भेद उत्पन्न करने वाला होगा । इस बिल से न तो देश का हित होगा न ही समाज का हित होगा । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सारे देश में इसके खिलाफ जनजागरण अभियान शुरु करेगा ।

गंगा पर बढ़ते प्रदूषण और उसको निर्मल एवं स्वच्छ कैसे बनाया जाए इस पर बैठक में विस्तृत चर्चा हुई । संघ के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा एवं अपने स्वयंसेवक जो समाज के अन्य कार्यों में लगे हुए हैं उनकी भी विस्तृत चर्चा हुई ।

आज देश का जो परिदृश्य बनता है उस में विदेशी शक्तियों द्वारा भविष्य में जो संकट के बादल दिखाई दे रहे हैं। उसमें विशेषकर चीन का बढ़ता हुआ वर्चस्व एवं भारत की सीमाओं पर उसकी नजर, सीमाओं पर उसका बढ़ता सैन्य जमावड़ा तथा भारत को चारों ओर से घेरने की उसकी रणनीति है। देश के रणनीतिकारों को इस ओर सोचने तथा रणनीति बनाने की आवश्यकता है। चीन अपनी सीमाओं की ओर से भारत की सीमाओं पर बहुत बड़ी ढांचागत व्यवस्था खड़ी कर रहा है। हम भारत सरकार से भी यह अपेक्षा करते हैं कि वह अपनी सुरक्षा के लिए लद्दाख, कश्मीर, अरुणाचल में जितनी ढांचागत व्यवस्था होनी चाहिए उस पर कार्य करे । हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि वह इस ओर ध्यान दे। हमारी सैनाओं का मनोबल तो अच्छा है ही लेकिन आज साधनों के अभाव की वजह से वह दुर्बल दिखे, यह हम सबके लिए चिंता की बात है। हम सरकार से अनुरोध करते है कि वह देश की सुरक्षा के लिए इसकी ओर गंभीरता से पहल करे और देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

प्रशांत भूषण के संदर्भ में कश्मीर के विषय में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा संघ इससे कभी भी सहमत नही हो सकता कि कश्मीर को देश से अलग करने के प्रयास हों। यह तो अलगाववादियों की भाषा है। इस पर आश्यर्य होता है। क्या ऐसा बोल कर वह देशभक्ति का प्रकटिकरण कर रहे हैं। अण्णा हजारे के आंदोलन में संघ के स्वयंसेवको के भाग लेने पर पूछे प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा स्वयंसेवकों ने आम जनसमुदाय के रूप में अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में भाग लिया। उन्होंने कहा संघ की यह परंपरा रही है कि वह देशहित में किए किसी भी कार्य को किए जाने का श्रेय लेने को आवश्यक नहीं मानता। अण्णा हजारे को संघ से क्यों परहेज है इस पर उन्होंने कहा हमें अण्णा से कोई परहेज नहीं है यदि अण्णा को संघ से परहेज है तो यह अण्णा से ही पूछना चाहिए। अण्णा जी के मौन धारण पर पूछने पर उन्होंने कहा कि वह अक्सर मौन धारण करते हैं। अण्णा हजारे पर पूछे अन्य प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने कहा वह इसका उत्तर तथा मत कल दिए गए वक्तव्य में स्पष्ट कर चुके हैं। लालकृष्ण आडवाणी जी के प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि अभी तो समय है यह निर्णण पार्टी को करना है समय आने पर पार्टी इसे तय भी करेगी । एक पूछे गए प्रश्न में कि आज पारदर्शिता का समय है ऐसे में संघ की बैठकें गोपनीय रूप से होती हैं। सरकार्यवाह जी ने कहा हम आपके सामने उपस्थित हुए हैं सभी विषयों पर चर्चा की है। इसमें गोपनीयता कहां है। प्रेसवार्ता में रा.स्व.संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख डॉ. मनमोहन वैद्य जी भी उपस्थित थे। अन्त में सरकार्यवाह जी ने सभी पत्रकारों का धन्यवाद दिया।

वागीश ईसर
(सचिव)
9810068474